जिनकी कृपा से जिंदगी कटती है शान से लिरिक्स

जिनकी कृपा से जिंदगी,
कटती है शान से।

दोहा – हर खुशी मिल रही,
हे श्याम तेरे दरबार से,
आई हूँ शरण तिहारी जबसे,
खाली ना आई मैं हर बार रे।

जिनकी कृपा से जिंदगी,
कटती है शान से,
उनको रिझा रही हूँ मैं,
सरगम की तान से।bd।

तर्ज – तेरी कृपा से ही चले।

महिमा मैं जब से गा रही,
वाणी के रूप में,
करुणा की छाँव मिल रही,
संकट की धूप में,
कश्ती भवर से निकली है,
हर एक तूफ़ान से,
उनको रिझा रही हूँ मैं,
सरगम की तान से,
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी,
कटती है शान से।bd।

है कौन जिसपे श्याम का,
जादू नहीं चला,
जादू से इसके कोई,
कैसे बचे भला,
मुस्कान इसकी भक्तों को,
मारे है जान से,
उनको रिझा रही हूँ मैं,
सरगम की तान से,
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी,
कटती है शान से।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

इनकी कृपा के प्रेमियों,
वाह वाह क्या बात है,
ऊँगली अगर बढ़ाओ तो,
पकडे ये हाथ है,
गाता सकल जगत यही,
दिल से जुबान से,
उनको रिझा रही हूँ मैं,
सरगम की तान से,
जिनकी कृपा से ज़िन्दगी,
कटती है शान से।bd।

जिनकी कृपा से ज़िन्दगी,
कटती है शान से,
उनको रिझा रही हूँ मैं,
सरगम की तान से।bd।

Singer – Ranjeeta Shahi

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com